भारत सरकार

जल संसाधन मंत्रालय

राज्‍य सभा

अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या 1073

जिसका उत्‍तर 3 दिसम्‍बर, 2012 को दिया जाना है ।

**.....**

**नदियों को आपस में जोड़े जाने संबंधी योजना**

**1073. श्रीमती स्‍मृति जुबिन ईरानी:**

क्‍या **जल संसाधन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में नदियों को आपस में जोड़े जाने संबंधी योजना की स्थिति क्‍या है ;

(ख) पश्चिम बंगाल तथा पूर्वोत्‍तर राज्‍यों में इस नेटवर्क के अंतर्गत कौन-कौन सी नदियां होंगी ;

(ग) परियोजना-वार बजट कितना है तथा अक्‍तूबर, 2012 तक कितना व्‍यय किया जा चुका है ; और

(घ) क्‍या इन दिनों नदियों को आपस में जोड़े जाने संबंधी योजना व्‍यवहार्य है ?

**उत्‍तर**

**जल संसाधन मंत्री (श्री हरीश रावत)**

(क) जल संसाधन मंत्रालय (पूर्व में सिंचाई मंत्रालय) ने जल संसाधन विकास के लिए 1980 में राष्‍ट्रीय परिप्रेक्ष्‍य योजना (एनपीपी), जिसके अंतर्गत दो घटक नामत: हिमालयी नदी विकास घटक और प्रायद्वीपीय नदी विकास घटक शामिल हैं, तैयार की थी जिसमें अधिक जल की बेसिनों से जल की कमी वाली बेसिनों/क्षेत्रों, में अन्‍तर बेसिन जल अन्‍तरण की परिकल्‍पना की गई थी । जल संसाधन मंत्रालय के अन्‍तर्गत राष्‍ट्रीय जल विकास अभिकरण (एनडब्‍ल्‍यूडीए) की स्‍थापना, एनपीपी के प्रस्‍तावों की साध्‍यता स्‍थापित करने और उन्‍हें मूर्त रूप देने हेतु विभिन्‍न तकनीकी अध्‍ययन करने के लिए 1982 में की गई थी । एनडब्‍ल्‍यूडीए ने हिमालयी घटक के अन्‍तर्गत 14 सम्‍पर्कों और प्रायद्वीपीय नदी घटक के अन्‍तर्गत 16 सम्‍पर्कों की पहचान की है जिनका ब्‍यौरा **अनुलग्‍नक-।** में दिया गया है ।

पांच प्रायद्वीपीय घटकों अर्थात (i) केन-बेतवा, (ii) पार्वती-कालीसिंध-चम्‍बल, (iii) दमन गंगा-पिंजाल (iv) पार-तापी-नर्मदा एवं (v) गोदावरी (पोलावरम)-कृष्‍णा (विजयवाड़ा) को उनकी विस्‍तृत परियोजना रिपोर्टें (डीपीआर) प्रारंभ करने के लिए प्राथमिकता वाले सम्‍पर्कों के तौर पर अभिज्ञात किया गया है । प्राथमिकता वाले एक सम्‍पर्क अर्थात केन-बेतवा की डीपीआर पूरी कर ली गई है और पक्षकार राज्‍यों को भेज दी गई है । संबंधित राज्‍यों की टिप्‍पणियों के आलोक में एनडब्‍ल्‍यूडीए ने प्रस्‍तावों में संशोधन और अंतिम विस्‍तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करनी प्रारंभ कर दी है । केन-बेतवा संपर्क परियोजना, राष्‍ट्रीय परियोजनाओं की सूची में शामिल कर ली गई है।

इसके अतिरिक्‍त, संबंधित राज्‍यों की सहमति प्राप्‍त होने के बाद, एनडब्‍ल्‍यूडीए ने दो और प्राथमिकता वाले संपर्कों नामश: पार-तापी-नर्मदा एवं दमनगंगा-पिंजाल की डीपीआर प्रारंभ की है । इन दोनों संपर्कों की डीपीआर तैयार करने के लिए गुजरात, महाराष्‍ट्र के मुख्‍यमंत्रियों और केन्‍द्रीय जल संसाधन मंत्री के बीच एक त्रिपक्षीय समझौते पर दिनांक 03.05.2010 को हस्‍ताक्षर किए गए थे । इन संपर्कों की डीपीआर प्रगति पर है ।

प्राथमिकता वाले अन्‍य संपर्कों नामत: पार्वती-कालीसिंध-चंबल की डीपीआर तैयार करने हेतु संबंधित राज्‍यों मध्‍य प्रदेश और राजस्‍थान के साथ बातचीत करके सहमति बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं ।

अन्‍य प्राथमिकता वाला संपर्क अर्थात गोदावरी (पोलावरम)-कृष्‍णा (विजयवाड़ा) आंध्र प्रदेश की पोलावरम परियोजना का हिस्‍सा है । आंध्र प्रदेश सरकार ने उपर्युक्‍त परियोजना संपर्क घटक सहित अपनी स्‍वयं की आयोजना के अनुरूप प्रारंभ की है ।

(ख) इस नेटवर्क के तहत पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्‍तर राज्‍यों के नदी संपर्क इस प्रकार हैं:-

1. मानस-संकोश-तीस्‍ता–गंगा (एम-एस-टी-जी) संपर्क (असम, पश्चिम बंगाल और बिहार)

2. जोगीघोपा (ब्रह्मपुत्र पर)-फरक्‍का में तीस्‍ता-गंगा (एम-एस-टी-जी का विकल्‍प) संपर्क (असम, पश्चिम बंगाल और बिहार)

3. गंगा (फरक्‍का)-सुंदरवन संपर्क (पश्चिम बंगाल)

4. गंगा-दामोदर-सुबर्णरेखा संपर्क (पश्चिम बंगाल)

5. सुवर्णरेखा-महानदी संपर्क (पश्चिम बंगाल)

(ग) वर्तमान वित्‍तीय वर्ष 2012-13 के लिए साध्‍यता रिपोर्टें और विस्‍तृत परियोजना रिपोर्टें तैयार करने हेतु 51.30 करोड़ रूपए की बजटीय व्‍यवस्‍था है । नदियों को परस्‍पर जोड़ने के कार्यक्रम के तहत एफआर एवं डीपीआर पर एनडब्‍ल्‍यूडीए के प्रारंभ से अक्‍तूबर, 2012 तक 378.96 करोड़ रूपए खर्च किए गए हैं । परियोजनावार हुए खर्च का ब्‍यौरा नहीं रखा जाता है ।

(घ) जी, हां, परियोजनाओं का निर्माण उनकी तकनीकी आर्थिक व्‍यवहार्यता के आधार पर प्रारंभ किया जाता है ।

\*\*\*\*\*

**नदियों को आपस में जोड़ने संबंधी योजना के संबंध में राज्‍य सभा में दिनांक 03.12.2012 को उत्‍तर दिए जाने वाले अतारांकित प्रश्‍न सं. 1073 के भाग (क) के उत्‍तर में उल्लिखित अनुलग्‍नक**

एनडब्‍ल्‍यूडीए द्वारा व्‍यवहार्यता रिपोर्टों (एफआर) की तैयारी हेतु अभिज्ञात जल अंतरण संपर्कों की स्थिति

प्रायद्वीपीय नदी विकास घटकú

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| 1 | महानदी (मणिभद्रा)-गोदावरी (दोलेश्‍वरम) संपर्क | एफआर पूरी की गई |
| 2 | गोदावरी (पोलावरम)-कृष्‍णा (विजयवाड़ा) संपर्क\* | एफआर पूरी की गई (राज्‍य द्वारा उनके स्‍वयं के प्रस्‍ताव के अनुसार शुरू की गई) |
| 3 | गोदावरी (इंचमपल्‍ली)-कृष्‍णा (पुलिचिंताला) संपर्क | एफआर पूरी की गई |
| 4 | गोदावरी (इंचमपल्‍ली)-कृष्‍णा (नागार्जुन सागर) संपर्क | एफआर पूरी की गई |
| 5 | कृष्‍णा (नागार्जुन सागर)-पेन्‍नार (सोमसिला) संपर्क | एफआर पूरी की गई |
| 6 | कृष्‍णा (श्रीसैलम)-पेन्‍नार संपर्क | एफआर पूरी की गई |
| 7 | कृष्‍णा (अलमट्टी)- पेन्‍नार संपर्क | एफआर पूरी की गई |
| 8 | पेन्‍नार (सोमसिला)-कावेरी (ग्रैण्‍ड एनीकट) संपर्क | एफआर पूरी की गई |
| 9 | कावेरी (कट्टालाई)-वैगई-गुन्‍डार संपर्क | एफआर पूरी की गई |
| 10 | पार्वती-कालीसिंध-चंबल संपर्क\* | एफआर पूरी की गई |
| 11 | दमनगंगा-पिंजाल संपर्क\* | एफआर पूरी की गई एवं डीपीआर शुरू की गई |
| 12 | पार-तापी-नर्मदा संपर्क\* | एफआर पूरी की गई एवं डीपीआर शुरू की गई |
| 13 | केन-बेतवा संपर्क\* | **चरण-। की डीपीआर पूरी की गई** |
| 14 | पंबा-अचनकोबिल-वैप्‍पार संपर्क | एफआर पूरी की गई |
| 15 | नेत्रावती-हेमावती संपर्क | पीएफआर पूरी की गई |
| 16 | बेदती-वर्धा संपर्क | एफआर पूरी की गई |

**हिमालयी नदी विकास घटक**

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| 1. | कोसी-मेची संपर्क | पूरी तरह से नेपाल में स्थित |
| 2. | कोसी-घाघरा संपर्क | एस एवं आई कार्य प्रारंभ किए गए |
| 3. | गंडक-गंगा संपर्क | एस एवं आई कार्य पूरे किए गए |
| 4. | घाघरा-यमुना संपर्क | एफआर पूरी की गई (भारतीय भाग के लिए) |
| 5. | सारदा-यमुना संपर्क | एफआर पूरी की गई (भारतीय भाग के लिए) |
| 6. | यमुना-राजस्‍थान संपर्क | एस एवं आई कार्य पूरे किए गए |
| 7. | राजस्‍थान-साबरमती संपर्क | एस एवं आई कार्य पूरे किए गए |
| 8. | चुनार-सोन बैराज संपर्क | एस एवं आई कार्य पूरे किए गए |
| 9. | सोन बांध-गंगा संपर्क की दक्षिणी वितरिकाएं | एस एवं आई कार्य प्रारंभ किए गए |
| 10. | मानस-संकोश-तीस्‍ता-गंगा (एम-एस-टी-जी) संपर्क | एस एवं आई कार्य प्रारंभ किए गए |
| 11. | जोगीघोपा (ब्रह्मपुत्र पर)-तीस्‍ता-फरक्‍का (एम-एस-टी-जी प्रत्‍यावर्ती) संपर्क | एस एवं आई कार्य प्रारंभ किए गए |
| 12. | फरक्‍का-सुंदरवन संपर्क | एस एवं आई कार्य पूरे किए गए |
| 13. | गंगा-दामोदर-सुवर्णरेखा संपर्क | एस एवं आई कार्य पूरे किए गए |
| 14. | सुवर्णरेखा-महानदी संपर्क | एस एवं आई कार्य पूरे किए गए |

\* प्राथमिकता संपर्क

पीएफआर-व्‍यवहार्यता पूर्व रिपोर्ट; एफआर-व्‍यवहार्यता रिपोर्ट; डीपीआर-विस्‍तृत परियोजना रिपोर्ट

एस एवं आई- भारतीय भाग में सर्वेक्षण एवं अन्‍वेषण